हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक सोमवार, 30 नवम्बर, 2015 को माननीय अध्यक्ष, श्री बृज बिहारी लाल बुटेल की अध्यक्षता में विधान सभा भवन, तपोवन धर्मशाला-176 215 में 2.00 बजे अपराह्न आरम्भ हुई ।

शोकोद्गार

30.11.2015/1400/negi/ag/1

अध्यक्षः शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए मैं, आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं। सभी माननीय सदस्यों से मेरा यह निवेदन रहेगा कि सदन की कार्यवाही को सौहार्दपूर्ण वातावरण में चलाने में मुझे सहयोग दें। मेरा यह भरसक प्रयास रहेगा कि सभी माननीय सदस्यों को सदन में नियमों की परिधि में रह कर अपनी-अपनी बात रखने का पूर्ण अवसर मिले, वहीं मैं सरकार से भी अपेक्षा करूंगा कि वह माननीय सदस्यों द्वारा चाही गई सूचनाओं का उत्तर पूर्णतः दें।

इससे पूर्व की आज की कार्यवाही आरम्भ करें, मेरा सभा मण्डप में उपस्थित सभी से निवेदन है कि वे राष्ट्रीय गान के लिए अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जायें।

(राष्ट्रीय गान)

(सभा मण्डप में उपस्थित सभी अपने-अपने स्थान पर राष्ट्रीय गान के लिए खड़े हुए)

अब शोकोद्गार होंगे। माननीय मुख्य मंत्री जी स्वर्गीय श्री लज्जा राम, पूर्व सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के निधन पर शोकोद्गार प्रस्तुत करेंगे।

30.11.2015/1400/negi/ag/2

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मुझे इस माननीय सदन को यह सूचित करते हुए अत्यन्त दुःख हो रहा है कि पूर्व विधायक, श्री लज्जा राम जी का 22 नवम्बर, 2015 को उनके पैत्रिक गांव में निधन हो गया । यह माननीय सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है । स्वर्गीय श्री लज्जा राम जी का जन्म वर्ष 1942 में...

श्री शर्मा जी द्वारा जारी....

30.11.2015/1405/SLS-AG-1

मुख्य मंत्री महोदय--- जारी

स्वर्गीय श्री लज्जा राम जी का जन्म वर्ष 1942 में सोलन जिला के गांव हरिपुर सन्दोली में हुआ था। उन्होंने प्राथमिक स्तर तक की शिक्षा जिला सोलन में ही प्राप्त की। श्री लज्जा राम वर्ष 1972 से 1982 तक ग्राम पंचायत बद्दी के प्रधान तथा वर्ष 1982 से 1985 तक तहसील सहकारिता यूनियन, नालागढ़ के निदेशक और जोगिन्द्रा सैंट्रल को-आपरेटिव बैंक, नालागढ़ के उपाध्यक्ष रहे। उन्होंने बी० बी० एन० में औद्योगिक क्षेत्र बसाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, हमेशा कामगारों व उद्योगपतियों के बीच सामंजस्य बिठाया और इस क्षेत्र में करीब 1900 उद्योग स्थापित करवाए। स्वर्गीय श्री लज्जा राम फरवरी 1990 में जनता दल के उम्मीदवार के रूप में दून विधान सभा क्षेत्र से प्रथम बार विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए। इसके उपरांत वे हिमाचल प्रदेश कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए और वर्ष 19 1998 ,93व 2003 में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में विधान सभा के सदस्य चुने गए। वे 18 अप्रैल, 2005 से 18 अगस्त, 2005 तक मुख्य संसदीय सचिव भी रहे। उनकी सामाजिक कार्यों तथा गरीब लोगों की सेवा में विशेष रूचि थी। उन्होंने हमेशा ही पिछड़े व कमज़ोर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए काम किया।

यह माननीय सदन स्वर्गीय श्री लज्जा राम जी द्वारा प्रदेश तथा समाज के लिए की गई उनकी सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करता है और उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

30.11.2015/1405/SLS-AG-2

प्रो० प्रेम कुमार धूमल : आदरणीय अध्यक्ष जी, पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में यह दुखद समाचार मिला कि 22 नवम्बर, 2015 को इस सदन के लगातार 4बार सदस्य रहे श्री लज्जा राम जी का निधन हो गया। वह पहली बार 1990में जनता दल के टिकट पर विधायक चुने गए थे। उनसे मेरी मुलाकात स्वर्गीय ठाकुर राम लाल जी ने ,जो पूर्व मुख्य मंत्री थे, पार्लियामैंट के सैंट्रल हॉल में करवाई कि यह हमारे विधायक चुने गए हैं। उसके बाद वह लगातार 3 बार 1993, 1998 और 2003 में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में विधान सभा के लिए चुने गए। लगभग 4 महीनों के लिए 18.04.2005 ,से 18.08.2005 तक वह मुख्य संसदीय सचिव भी रहे। श्री लज्जा राम जी ने अपना सार्वजनिक जीवन पंचायत प्रधान के पद से प्रारंभ किया और वह को-आपरेटिव मूवमैंट के साथ भी जुड़े हुए थे। पिछड़े व कमज़ोर वर्ग के लोगों के लिए उनका विशेष ध्यान रहता था। निश्चित तौर पर जब श्री अटल बिहारी वाजपेई जी ने हिमाचल प्रदेश को औद्योगिक पैकेज दिया ,उस समय उद्योगों की स्थापना के लिए उन्होंने अपने क्षेत्र में प्रयास किए। जब भी मज़दूरों और मालिकों में कोई झगड़ा होता था तो वह उसमें समझौता करवाने का प्रयास करते थे। वह एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर जाने जाते थे।

जारी ... श्री गर्ग जी

30/11/2015/1410/RG/AS/1

प्रो. प्रेम कुमार धूमल-----क्रमागत

दिनांक 22नवम्बर, 2015 को उनका निधन उनके परिवार के लिए और उनके चुनाव क्षेत्र के लोगों के लिए एक दु:खदायी समाचार था।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी ओर से एवं अपने विधायक दल की ओर से उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और उनके परिवार को इस सदमे को सहने की शक्ति दे।

समाप्त

2/-

30/11/2015/1410/RG/AS/2

अध्यक्ष : अब माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री शोकोद्गार में भाग लेंगे।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आज हमारे बीच में श्री लज्जा राम जी नहीं हैं। इस दुःखद समाचार को मुझे तो उनके सुपुत्र श्री रामकुमार जी जो हमारे साथी हैं ,इन्होंने जब टेलिफोन करके बताया ,तो मुझे एकदम से सदमा लगा। क्योंकि कुछ दिन पहले ही वे मेरे कार्यालय में एक डेपुटेशन लेकर मेरे पास आए थे और उनका जो स्टाईल था कि 'ऐ तो करके ही देना है।' वे बहुत ही सामाजिक, लोगों से जुड़े हुए और ईमानदार इन्सान थे जिन्होंने अपना जीवन बहुत ही सादगी से अपने इलाके के लोगों की सेवा में लगाया। दिनांक 22नवम्बर, 2015 को उनकी अकस्मात ही मृत्यु हो गई। मुझे बाद में बताया गया कि फोर्टिस अस्पताल, चण्डीगढ़ में उनको इलाज के लिए भी लेकर गए थे। वे लगातार चार बार इस सदन में चुनकर के आए। यह इस बात को दर्शाता है कि लोगों का उनके प्रति कितना स्नेह था। हमें वर्ष 1998-20 03में साथ में बैठने का मौका मिला ,हम साथ-साथ बैठते थे। वह एक बढ़िया और सादे व्यक्ति थे। किसी भी व्यक्ति की कमी उस समय अधिक महसूस होती है जब वह हमारे बीच में नहीं होता।

अध्यक्ष महोदय, उन्होंने अपने इलाके के लिए बहुत ही अच्छा काम किया। जैसा कि यहां पहले भी बताया गया कि जो झगड़े होते थे उनको निपटाने के लिए उन्हें बुलाया जाता था कि किसी तरह से वे झगड़ा निपटवा दें। वे इस बात का अपनी ओर से पूरा प्रयास करते थे और लोगों की भलाई के लिए काम करते रहते थे।

अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय श्री लज्जा राम जी के निधन पर माननीय मुख्य मंत्री जी और विपक्ष के नेता ने जो शोकोद्गार यहां व्यक्त किए हैं मैं भी अपने आप को उसमें शामिल करता हूं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं और उनके परिवार को इस दुःख को ईश्वर सहने की शक्ति दे, यही ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

3/-

30/11/2015/1410/RG/AS/3

अध्यक्ष : अब माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी शोकोद्गार में भाग लेंगे।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, बड़े ही दुःख की बात है कि श्री लज्जा राम जी जो इस माननीय सदन के चार बार सदस्य रह चुके हैं और संसदीय सचिव का कार्यभार भी उन्होंने निभाया है, उनका स्वर्गवास दिनांक 22 नवम्बर, 2015 को हो गया। हमें उनके साथ काम करने का मौका मिला और काफी नजदीकी से उनको जानने का और उनके सरल स्वभाव को पहचानने का भी मौका मिला।

वे एक जमीन से जुड़े हुए राजनीतिज्ञ थे और गरीबों की भलाई के लिए हर संभव प्रयास करते थे। मुझे भी उनकी दुःखद मृत्यु का समाचार दिनांक 22 नवम्बर, 2015 को उनके पुत्र श्री रामकुमार जी जो इस माननीय सदन के सदस्य हैं ,के द्वारा प्राप्त हुआ। मुझे यह समाचार सुनकर बहुत दुःख हुआ। उन्होंने दून चुनाव क्षेत्र की बहुत सेवा की है। उन्होंने वहां का बहुत विकास किया है। इसी आधार पर उनके सुपुत्र श्री रामकुमार जी इस सदन के सदस्य बने हैं। निश्चित तौर पर उनकी मृत्यु से हमारे प्रदेश को बहुत नुकसान हुआ है। प्रदेश ने एक अच्छा-----जारी

एम.एस. द्वारा जारी

30/11/2015/1415/MS/AS/1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जारी--------

प्रदेश को नुकसान हुआ है और प्रदेश ने एक ऐसा अच्छा और साधारण राजनितिज्ञ खो दिया है जिनका इस प्रदेश के लिए काफी योगदान रहा है। जो शोकोद्गार माननीय मुख्य मंत्री जी और विपक्ष के नेता ने यहां पेश किए हैं, मैं भी उनमें अपने आपको शामिल करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को स्वर्ग में शांति मिले और उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

30/11/2015/1415/MS/AS/2

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य डॉ0 राजीव बिन्दल जी शोकोद्गार प्रकट करेंगे।

डॉ0 राजीव बिन्दलः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी और नेता विपक्ष द्वारा जो शोकोद्गार इस सदन में प्रस्तुत किए गए हैं, उनमें मैं भी अपने आपको सम्मिलित करता हूं। चौधरी लज्जा राम जी का निधन हो गया है। वे एक बहुत ही साधारण स्वभाव के व्यक्ति थे और उन्होंने समाज का लम्बे समय तक नेतृत्व किया है। मुझे भी विधान सभा में उनके साथ रहने का अवसर प्राप्त हुआ। उनका इस प्रकार का जीवन रहा जिसके कारण वे लगातार अपने क्षेत्र से जीतते रहे। केवल इतना कहते हुए कि दिवंगत आत्मा को प्रभू के चरणों में आवास प्रदान हो और उनके परिवार को इस दुःख की घड़ी में शक्ति मिले, मैं भी उसमें अपने आपको शामिल करता हूं।

30/11/2015/1415/MS/AS/3

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य श्री कुलदीप कुमार जी शोकोद्गार प्रकट करेंगे।

श्री कुलदीप कुमारः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री द्वारा जो शोकोद्गार इस सदन में प्रस्तुत किए गए हैं, उसमें शामिल होने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। चौधरी लज्जा राम जी के निधन की सूचना मुझे हमारे साथी व उनके पुत्र श्री राम कुमार जी के द्वारा दूरभाष पर दी गई और मुझे उनके निधन से बहुत दुःख हुआ है। जैसेकि बताया गया कि वह चार बार इस विधान सभा के सदस्य रहे और प्रधान के रूप में उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी। वह वर्ष 1998 से 2003 तक मेरे पड़ोसी रहे। मैट्रोपोल में हम साथ-साथ रहते थे और कई बार हम इकट्ठे समिति के प्रवास पर भी गए। वे कई बार घर पर भी मुझे बुलाते थे। वे बहुत ही मिलनसार थे और अपने क्षेत्र के एक जनप्रिय नेता थे। आज बद्दी का जो औद्योगिकरण का नक्शा है उसमें उनका काफी योगदान रहा है। आज उनके निधन से जो क्षति हुई है उसकी भरपाई संभव नहीं है। मैं भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले और उनके परिजनों को इस क्षति को सहन करने की शक्ति मिले।

30/11/2015/1415/MS/AS/4

अध्यक्षः अब श्री महेश्वर सिंह जी शोकोद्गार प्रकट करेंगे।

श्री महेश्वर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह प्रकृति का नियम है कि जो इस संसार में जन्म लेता है, एक-न-एक दिन निश्चित रूप से उसको यहां से जाना होता है लेकिन कुछ विभूतियां ऐसी होती हैं जो जाने के बाद भी अपनी गहरी छाप कुछ सद्गुणों के कारण छोड़ जाती हैं और अपना नाम अमर कर जाती हैं। जिन दिनों चौधरी लज्जा राम जी इस मान्य सदन के सदस्य थे उन दिनों में मैं लोकसभा और बाद में राज्यसभा का सदस्य रहा। परन्तु मेरा उनसे व्यक्तिगत परिचय था। मुझे बद्दी में उनके निवास स्थान पर जाने का कई बार अवसर मिला। कई बार उनसे चर्चा होती थी और मैंने पाया कि उनमें अनेकों सद्गुण थे। एक तो वे ज़मीन से जुड़े हुए नेता थे और गरीबों की सहायता करने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उनके घर के द्वार पर जो गरीब लोग फरियाद लेकर आते थे, उनको वे संतुष्ट करके भेजते थे। कुछ दिन पूर्व वे मणिकर्ण में तीर्थ यात्रा पर आए थे। उस समय वे बिल्कुल स्वस्थ थे और आराम कर रहे थे। मैं उनसे वहां मिलने गया। उन्होंने बहुत ही प्यार से मुझसे काफी लम्बी बात की और मणिकर्ण के विकास के बारे में भी मुझसे चर्चा की और कुछ सुझाव भी दिए कि यहां ऐसा-ऐसा होना चाहिए। अध्यक्ष जी, मैं उनके निधन पर परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी पुण्य आत्मा को स्वर्ग प्राप्ति हो और शोक-संतप्त परिवार को इस गहन क्षति को सहन करने की शक्ति मिले।

अगले वक्ता श्री जे0के0 द्वारा---

30/1420/11.2015.एजी/जेके/1

अध्यक्षः अब माननीय सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्री जी शोकोद्गार प्रकट करेंगी।

सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय श्री लज्जा राम, जो कि पूर्व विधायक थे वे आज हमारे बीच में नहीं रहे ,जिसका हमें बहुत दुख है । मैं एक हफ्ता पहले उनसे मिलने जाने वाली थी लेकिन किसी कारणवश नहीं जा सकी। मुझे हमेशा यह लगता था कि वे चलते-फिरते हैं और सोच भी नहीं सकते थे कि इतनी जल्दी वे हमें

छोड़कर चले जाएंगें। हम उनसे मिल नहीं सके। उनका निधन ऐसे समय में हुआ कि हम भी यहां पर नहीं थे। मैं स्वर्गीय श्री लज्जा राम जी को व्यक्तिगत तौर पर जानती थी । उनका जन्म 1933में एक किसान परिवार में हुआ। वे कोई छोटे किसान नहीं थे बल्कि बहुत बड़े किसान थे। उनके तीन पुत्र, दो पुत्रियां व धर्मपत्नी हैं। उनके बड़े बेटे इस समय विधान सभा में विधायक हैं।

स्वर्गीय श्री लज्जा राम जी वर्ष 1969 में पहली बार ग्राम पंचायत बद्दी के वार्ड पंच रहे और सर्वसम्मत्ति से चुने गये थे। वर्ष 1970 में ब्लॉक समिति नालागढ़ के सदस्य चुने गये। वे दो बार ग्राम पंचायत बद्दी के प्रधान पद के लिए चुने गये। वर्ष 1986 में "दी नालागढ़ तहसील मार्किट कमेटी" के निदेशक भी चुने गये। उनकी कोशिश होती थी कि वे हर गरीब से मिल सके और उनको सहनशीलता दे सकें।

29फरवरी, 1990 को जब पहली बार दून विधान सभा के विधायक चुने गये थे तो हमें लगता था कि वे अपने जीवन में कुछ न कुछ करने वाले हैं। वे बहुत ही शक्तिशाली व्यक्ति थे। वे बहुत ही चुस्ती से बात करते थे। उनके अन्दर हरेक व्यक्ति के प्रति अच्छी भावना थी। इसके बाद वर्ष 1993, 1998 में और वर्ष 2003 में वे लगातार विधायक चुने गए। वे बहुत ही अच्छे तरीके से काम करते थे। वर्ष 2006 में वे हिमाचल प्रदेश सरकार में मुख्य संसदीय सचिव बने।

इसके अतिरिक्त उन्होंने संगठन के विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं पार्टी को दी थी। उन्होंने जिला सोलन कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर दो साल कार्य किया। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी में उपाध्यक्ष के पद पर 2000 से 2004 तक अपनी

30/1420/11.2015.एजी/जेके/2

सेवाएं दी और उस समय मैं कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षा थी। उनकी पार्टी के प्रति बहुत अच्छी भावना थी। स्वर्गीय श्री लज्जा राम जी क्षेत्र और प्रदेश में अपनी सादगी और ईमानदारी के प्रतीक थे। उन्होंने हमेशा पिछड़े व कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया। दून क्षेत्र में चल रही लड़ाई को उन्होंने पहले समाप्त किया तथा फिर आपसी भाईचारा कायम करके दून क्षेत्र का विकास करवाया। उन्होंने बी0बी0एन0 में औद्योगिक क्षेत्र बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कामगारों व उद्योगपतियों के बीच में

माहौल बना करके बी0बी0एन0 में करीब 1000 उद्योग स्थापित करवाए। हम सब जानते हैं कि उनकी क्या सोच थी और कितना ज्यादा काम करने की उनके अन्दर भावना थी। उनकी थोड़ी-बहुत तबीयत खराब हो गई थी लेकिन फिर भी वे चलते रहते थे। दिनांक 22 नवम्बर, 2015 को प्रातः 12 बज कर 15 मिनट पर उनके निवास स्थान बद्दी में उनका अचानक निधन हो गया । उनका बैठे-बैठे ही देहांत हो गया और दिनांक 23 नवम्बर, 2015 को प्रातः उनका दाह संस्कार किया गया। मुझे इस बात का बहुत दुख है कि मैं उन्हें अंत में देख ही नहीं सकी।

मैं, स्वर्गीय श्री लज्जा राम जी के निधन पर सदन तथा अपनी ओर से समस्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं ।

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

30.11.2015/1425/SS-AG/1

शोकोद्गार (क्रमागत)

सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्री क्रमागतः

तथा ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दे। हम फिर से दुआ करते हैं कि भगवान् उनकी शक्ति को हमेशा कामयाब करे और उनके परिवार को इस दुःख को सहन करने की क्षमता दे।

समाप्त

30.11.2015/1425/SS-AG/2

अध्यक्षः माननीय डॉ0 राजीव सैजल जी शोकोद्गार में भाग लेंगे।

डॉ0 राजीव सैजलः माननीय अध्यक्ष जी, श्री लज्जा राम, पूर्व सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के निधन पर जो शोकोद्गार प्रस्ताव आए हैं मैं भी स्वयं को इसमें शामिल करता हूं।

अध्यक्ष जी, शायद पूरा सदन इस बात से सहमत होगा कि लज्जा राम जी का राजनीतिक जीवन एक अनुकरणीय जीवन रहा है। उनके जीवन में वैसे बहुत-सी विशेषताएं थीं लेकिन दो प्रमुख विशेषताएं मैं भी उनमें देखता था और उनसे प्रेरणा लेता था। एक तो वे सादगी का प्रतीक थे। लम्बे समय तक उन्होंने दून क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। विधायक के साथ-साथ वे कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर रहे लेकिन उन्होंने सादगी को नहीं छोड़ा। अपनी भाषा और वेशभूषा को नहीं छोड़ा। दूसरा, उनका अपनी जनता के साथ विशेष तौर पर दून क्षेत्र का जो पिछड़ा, वंचित और गरीब वर्ग था उनके साथ जीवंत सम्पर्क था। जब उस क्षेत्र में लोगों से उनके बारे में बात होती थी तो प्रत्येक व्यक्ति यही कहता था कि चाहे सुख हो या दुःख हो श्री लज्जा राम जी की हाज़िरी प्रत्येक घर में ऐसे अवसरों पर हमेशा रहती थी। ये दो बिन्दु ऐसे हैं जो हम सब के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी हैं और हम सब के लिए दो महत्वपूर्ण अनुकरणीय बिन्दु हैं। मैं उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की क्षमता दे, धन्यवाद।

समाप्त

30.11.2015/1425/SS-AG/3

अध्यक्षः अब श्री गोविन्द राम शर्मा जी शोकोद्गार में भाग लेंगे।

श्री गोविन्द राम शर्माः माननीय अध्यक्ष जी, जो शोक प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री जी और प्रतिपक्ष के नेता आदरणीय धूमल जी लाए, मैं उसके समर्थन में खड़ा हुआ हूं। स्वर्गीय श्री लज्जा राम जी हमारे जिला में एक वरिष्ठ नेता थे और उन्होंने अपना पहला चुनाव 1990 में लड़ा और उसके बाद लगातार 1993, 1998 व 2003 का चुनाव लड़ा तथा

लगातार अपने क्षेत्र की सेवा करते रहे। मुझे भी कई दफा उनसे मिलने का मौका मिला और उन्होंने मुझे गाइड भी किया कि ऐसे-ऐसे काम करने चाहिएं। लोगों से जो उनका सम्पर्क था वह एक विशेष रूप का था। हर व्यक्ति के घर जाना, हर गरीब के घर जाना और उनके दुःख-सुख में उनसे मिलना उनके जीवन की प्रमुख विशेषता थी। साथ में वे अपने क्षेत्र के विकास के बारे में बहुत चिन्ता करते थे। 2007 में जब मैं विधायक बना तो दून क्षेत्र का कुछ एरिया (7पंचायतें) अर्की में आया तब उन्होंने मुझे कहा कि ये-ये कार्य करने हैं। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मैंने वे कार्य एम0एल0ए0 प्रायोरिटी में डाले। वे कई विषयों में बहुत ध्यान देते थे और हमें भी समझाते थे। अपने क्षेत्र में ही नहीं बल्कि पूरे सोलन जिला में उनकी कार्य करने की विशेष शैली थी। उनका साधारण व्यक्तित्व था। उनका सब के साथ मेल-जोल था। वे सब को साथ लेकर आगे चलने का प्रयास करते थे। मैं ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले और वह उनके परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति दे। यही मेरा ईश्वर से निवेदन है, धन्यवाद।

समाप्त

जारी श्रीमती के0एस0

3/0.11.20151430/केएस/एएस/1

श्री सुरेश भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन के नेता माननीय मुख्य मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष ने स्वर्गीय लज्जा राम जी के विषय में जो शोगोद्गार व्यक्त किए हैं, मैं भी अपने आप को उसमें सम्मिलित करता हूं। 1990 में पहली बार मैं और लज्जा राम जी दोनों एक साथ इस माननीय सदन के सदस्य बने थे और लम्बे समय तक हम विभिन्न कमेटियों के सदस्य के रूप में टूअर पर भी जाया करते थे। जिस प्रकार का व्यक्तित्व श्री लज्जा राम जी का था, मैं समझता हूं कि सभी जन-प्रतिनिधियों के लिए वह एक प्रेरक व्यक्तित्व था। वास्तव में लोकतंत्र की जो ग्रास रूट की ईकाइयां है, पंचायत के प्रधान, बी.डी.सी. के मैम्बर और निचले स्तर के जो फाईनैंशियल इंस्टिट्यूशन्ज़ हैं, तहसील कॉप्रेटिव युनियन और साथ ही साथ जिला स्तर का बैंक जोगिन्द्रा सैंट्रल कॉप्रेटिव बैंक, इन सब में सदस्य रह कर जो उन्होंने आम जनता का सेवा की दृष्टि से कार्य किया उसके कारण वे लोकतंत्र के इस राज्य स्तरीय इंस्टिट्यूशन विधान सभा में भी लगातार चार बार चुनकर आते रहे। उनका व्यक्तित्व बिल्कुल अलग प्रकार का था। वे आम जनता से जुड़कर काम करते थे। दून क्षेत्र में औद्योगिकरण की दृष्टि से उन्होंने बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका व्यक्तित्व बहुत ही साधारण था। उनका अपना

ईंट का भट्टा था और वे बहुत ही बड़े कारोबारी थे इसके बावजूद कई बार अगर हमारे नाम से भी कोई व्यक्ति उनके पास जाता था कि उन्होंने ईंटें मांगी है या अन्य कोई सामान मांगा है तो बिना पूछे वे उनको सामान दे दिया करते थे ।वे अपने दोस्तों का काम करने के लिए सदा तत्पर रहते थे। उनके एक सुपुत्र बद्दी में म्युनिसिपल कमेटी के चेयरमैन हैं और एक सुपुत्र इस माननीय सदन में हमारे साथी हैं । 22 नवम्बर, 2015 को लम्बी बीमारी के बाद नहीं बल्कि बहुत कम समय में दो-चार दिन ही वे अस्पताल में रहे, उनका निधन हो गया मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवारजनों को इस सदमें को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

*****

/30.11.20151430/केएस/एएस/2

श्री राम कुमारः अध्यक्ष महोदय, मेरे पूज्य पिता जी एवं इस माननीय सदन के पूर्व सदस्य, पूर्व संसदीय सचिव स्वर्गीय चौधरी लज्जा राम जी का शोक प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री जी ने सदन में लाया, नेता प्रतिपक्ष माननीय धूमल साहब जी ने तथा मंत्रिगण एवं हमारे पक्ष व विपक्ष के अन्य सदस्यों ने अपने आपको इस शोक प्रस्ताव में शामिल किया, इसके लिए मैं सभी का धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से मेरे पिताजी ने अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया, वर्ष 1933 में उनका जन्म हुआ। 1969 में जब मेरा जन्म हुआ उस समय सबसे छोटी इकाई पंचायत में वार्ड पंच की होती है, वे उसके मैम्बर बनें। उस समय वार्ड पंचों द्वारा समिति मैम्बर चुने जाते थे तो 1970 में सदस्य, समिति बनें। फिर 1975 में बद्दी ग्राम पंचायत होती थी, हमारा गांव भी उसी में था 1975 ,में पहली दफा प्रधान पद के लिए चुने गए। 1985 तक दो बार उन्होने बद्दी ग्राम पंचायत का प्रतिनिधित्व किया। वे तहसील सहकारिता युनियन, नालागढ़ के निदेशक रहे। जोगिन्द्रा सैंट्रल कॉप्रेटिव बैंक, नालागढ़ के उपाध्यक्ष रहे। वे सामाजिक कार्यों में बहुत रूचि लेते थे। 28 फरवरी, 1990 को वे पहली बार इस माननीय सदन के सदस्य चुने गए। उसके बाद 1993, 1998 और 2003 में विधान सभा के सदस्य चुने गए और चार बार लगातार उन्होने इस माननीय सदन का प्रतिनिधित्व किया।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

30.11.2015/1435/av-as/1

शोकोद्गार-------क्रमागत

श्री राम कुमार जारी----------

चार बार उन्होंने इस सदन का प्रतिनिधित्व किया। हम लोग डायरी में उनके कार्यों के बारे में लिखते थे मगर वे पढ़ नहीं पाते थे। परंतु वे डायरी खोलकर अंगुली रखकर पूछते थे कि यहां जो लिखा है, इसको पढ़ो। चुनाव के दौरान विरोधी लोग कई बार अंगुली उठाते थे कि लज्जा राम जी अनपढ़ है। जब पहली बार उनको टिकट मिला तो मैं उसके बारे में एक छोटा सा वाक्या सुनाना चाहूंगा। एक बार स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्री चन्द्रशेखर जी के यहां टिकट के लिए इंटरव्यु चल रहे थे। वहां पर एक और व्यक्ति टिकट प्रत्याशी के रूप में उनके सामने उपस्थित हुए और कहने लगे कि लज्जा राम जी अनपढ़ व्यक्ति है। श्री लज्जा राम जी यह सुनकर एकदम अपनी आदत के अनुसार अंदर चले गये और अंदर जाते ही उन्होंने कहा कि इनसे पूछो ये कितने पढ़े-लिखे हैं। उस पर चन्द्रशेखर जी ने उनसे प्रश्न किया। उनका नाम श्री जसवन्त राय था। चन्द्रशेखर जी ने उनसे पूछा कि आप कितने पढ़े-लिखे हैं? उस व्यक्ति ने जवाब दिया कि मैं डबल एम.ए. हूं। उस पर श्री लज्जा राम जी ने कहा कि डबल एम.ए. तो मैंने अपने पास मुन्शी रखे हुए हैं। आप इनसे इनकी दूसरी क्वालीफिकेशन्ज के बार में और प्रश्न कीजिए। चन्द्रशेखर जी ने पूछा कि आप कौन है? फिर उन्होंने कहा कि मैं ही लज्जा राम हूं। चन्द्रशेखर जी ने कहा कि आपकी टिकट फाइनल है, आप फील्ड में जाकर काम कीजिए। अनपढ़ होते हुए भी उन्होंने इस हाऊस में कई बार बद्दी में बढ़ते प्रदूषण और अन्य विकासात्मक कार्यों के बारे में मुद्दे उठाये। बद्दी का इण्डस्ट्रियल एरिया बहुत बड़ा है और उसके लिए माननीय मुख्य मंत्री श्री वीरभद्र सिंह जी और श्री धूमल जी ने अपने-अपने कार्यकाल में बहुत काम किए। वे माननीय मुख्य मंत्री श्री वीरभद्र सिंह जी से झगड़ा भी करते थे कि बद्दी में कॉलेज खोलना मेरा एक सपना है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवादी हूं कि इन्होंने उनके जीवित रहते-रहते 13 अप्रैल, 2015 को वहां पर कॉलेज की घोषणा की है

30.11.2015/1435/av-as/2

और ढाई माह की छोटी सी समयावधि में बरोटीवाला में उनके जीते जी कॉलेज शुरू करके उनको सच्ची श्रद्धांजलि दी है। जैसे यहां पर सैजल साहब ने कहा, उनसे पहले

दून क्षेत्र में किसी के छोटे-मोटे सुख-दुख में जाने की रीत नहीं थी। मगर श्री लज्जा राम जी सुबह से लेकर रात तक यानि 18-20 घंटे तक लोगों की सेवा करते थे। विशेषकर गरीब लोगों की आवाज सुनना और उनकी सहायता करना उनके जीवन का मकसद था। कई बार घर पर ऐसे लोग आते थे कि किसी की पैंशन नहीं लगी है, किसी की लड़की की शादी है या किसी को ईलाज के लिए पैसे चाहिए होते थे तो उन्होंने कभी किसी को मना नहीं किया। जो लोग सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं के अंतर्गत नहीं आते थे वे उनकी अपनी जेब से सेवा करने के लिए भी हमेशा तत्पर रहते थे। इसके अतिरिक्त उनकी वहां पर ब्लॉक खोलने की बहुत बड़ी मन्शा थी। उसको भी माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारी पूरी केबिनैट ने स्वीकृत किया है। जब सोलन के ब्लॉक की शिफ्टिंग की बात आई तो मुख्य मंत्री जी ने कहा कि शिफ्टिंग करके नहीं बल्कि आपको नया ब्लॉक दिया जायेगा जिसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं। वे अपनी सादगी के लिए पूरे जिला और प्रदेश में जाने जाते थे। इस चीज का पता तब चलता है जब व्यक्ति इस दुनिया से चला जाता है। उस समय हमें यह पता चलता है कि इस व्यक्ति से लोग कितना प्यार करते थे। उनके कई बुजुर्ग साथी तो बैड रिडन थे मगर फिर भी वे उनकी क्रिमेशन पर वहां पहुंचे। वहां पर लगभग 15-20 हजार लोगों की गैदरिंग थी, मैंने ऐसी क्रिमेशन आज तक कभी नहीं देखी। उनकी क्रिमेशन पर माननीय अध्यक्ष महोदय भी आये, मैं उनको भी धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने अपना पूरा जीवन लोगों की सेवा में लगा दिया। दिनांक 22 नवम्बर, 2015 को उनका देहान्त हुआ, उस दिन भी वे लगभग डेढ़-दो सौ लोगों से मिले। जब लोग मुझे मिलने आते थे तो उनकी संतुष्टि श्री लज्जा राम जी से मिलकर पूरी होती थी। जब तक वे आश्वासन नहीं देते थे लोग हमारे घर से नहीं जाते थे। उस दिन भी जब मैं 11 बजे गाड़ी में बैठकर जाने लगा तो उन्होंने मुझे वापिस बुलाया और कहा कि फलां-फलां गांव में दो डैथ हुई

30.11.2015/1435/av-as/3

हैं आप वहां पर नहीं गये हैं। आज आपने वहां जरूर जाना। मगर आधे घंटे के बाद मुझे घर से टेलीफोन आया कि उनके सीने में दर्द उठा है। मैं कार्यक्रम रद्द करके तुरंत घर गया। घर जाकर पता चला कि उनको बद्दी में साथ लगते अस्पताल लेकर गये हैं। मेरे वहां पहुंचने के बाद डॉक्टर ने उनको मृत घोषित किया। मैं यहां पक्ष-विपक्ष का आभारी हूं और अपने-आपको विधायक (दून) के नाते इस शोक प्रस्ताव में शामिल करते हुए

उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूं तथा आप सभी का धन्यवाद।

इसके अतिरिक्त, दिनांक 6 जनवरी, 2015 को उनकी अंतिम शोक सभा है। आप सभी से सादर निवेदन है कि उसमें शामिल होकर हमें सांत्वना देने की कृपा करें। धन्यवाद।

समाप्त

अगश्री टी.सी.वर्मा द्वारा जारी

30/11/2015/1440/टी0सी0/ए0जी/1

श्री कृष्ण लाल ठाकुर :अध्यक्ष महोदय, अचानक 22 नवम्बर को चौधरी लज्जा राम जी का निधन हुआ ,जिससे पूरे नालागढ़ उपमण्डल में शोक की लहर फैल गई थी। दूसरे दिन जब अन्तिम संस्कार हुआ तो उससे उनकी पॉपूलर्टी का पता चलता है ,जैसा कि हमारे साथी श्री राम कुमार जी ने बताया कि लगभग 15-20 हजार लोगों ने उनके निधन पर दुख व्यक्त किया। बेसिकली श्री लज्जा राम जी और मैंने राजनैतिक तौर पर इकट्ठे काम नहीं किया क्योंकि मैं एक अधिकारी था। एक अधिकारी के तौर पर मैं उनसे बहुत प्रभावित था, जैसे ऑफिसर से काम करवाना, कितने दिल से वे बात कहते थे। उनका जीवन सादगी भरा रहा और सबके साथ चलने की उनकी क्षमता थी,आस्था थी और सामाजिक समरसता में विश्वास रखते थे। इसी कारण उन्होंने चार बार दून विधान सभा क्षेत्र से विधान सभा का नेतृत्व किया। जैसा कि श्री राम कुमार जी ने बताया कि कई लोग कहते थे कि अनपढ़ है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर सेवा भाव हो तो कम पढ़ा-लिखा होने से उसकी महत्ता कम नहीं होती। क्योंकि अगर ज्यादा पढ़ा-लिखा हो और उसकी सेवा करने की, विकास करने की इच्छा न हो तो उससे बेहतर कम पढ़ा लिखा होने से भी राजनीति में कोई समस्या नहीं होती और न ही ऐसी कोई शर्त है कि कोई कितना पढ़ा-लिखा होना चाहिए। उनके अचानक निधन से पूरे नालागढ़ उप-मण्डल को खासकर के दून विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र को जो लॉस हुआ है तथा अपना लोकप्रिय नेता खोया है, उसे पूरा करने में बहुत समय लगेगा और हमेशा लम्बे समय तक लोग श्री लज्जा राम जी को याद करते रहेंगे। उन्होंने पंचायती राज से इलैक्शन लड़कर अपना कॅरियर शुरू किया। कॉपरेटिव सोसाइटीज में उन्होंने अच्छा कार्य किया और धीरे-धीरे उनको लोगों का प्यार मिलता गया तथा 1990 से वे विधायक रहे। हम सबको जैसे सभी सीनियर वक्कताओं ने बताया उनसे सीख लेनी चाहिए कि कैसे

हम राजनीति से ऊपर उठकर एक-दूसरे के सुख-दुख को बांट सकते हैं। मैं इस दुख की घड़ी में मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उनके परिवार को इस दुख को सहने की क्षमता दें तथा उनकी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

———

30/11/2015/1440/टी0सी0/ए0जी/2

अध्यक्षः माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, श्री धनी राम शांडिल जी शोकोद्गार में भाग लेंगे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, जैसे मान्य सदन के सभी सदस्यों ने उस महान व्यक्तित्व के हमारे बीच से जाने पर शोकोद्गार व्यक्त किये हैं, मैं भी अपने को उनके साथ शामिल करता हूँ। उनके जड़ से जुड़े होने का और जन-मानस के प्रति संवेदनशील होने का सबसे बड़ा दृश्य उनकी अंतिम यात्रा में जिसमें माननीय अध्यक्ष महोदय आप स्वयं भी शरीक थे, देखने को मिला। मैं मानता हूँ कि इस प्रकार से जड़ से जुड़े हुए नेता की कतार में जहां चौधरी लज्जा राम बहुत आगे खड़े थे, हमें इस मान्य सदन में भी उनके व्यक्तित्व से बहुत कुछ सीखने को मिला । जब मैं तेरहवीं और चौदहवीं विधान सभा में जैसाकि माननीय विधायक श्री महेश्वर सिंह जी ने कहा, मुझे इस मान्य सदन में उनके साथ काम करने का मौका नहीं मिला, परन्तु उनका काम करने का तरीका, उनकी शालीनता,उनकी सादगी और एक पैनी नज़र लोगों की समस्याओं पर होती थी, वह सचमुच में प्रशंसनीय था। उनके व्यक्तित्व को सलाम करते हुए, उनके सुपुत्र श्री राम कुमार जी हमारे यहां माननीय सदस्य हैं, इनको उनका आशीर्वाद मिला। जहां पूरे सोलन जिला और पूरे दून क्षेत्र को उनके निधन से मैं समझता हूँ क्षति हुई है, उसी के साथ पूरे हिमाचल प्रदेश को भी उनकी कमी खलती रहेगी। उनकी दिवंगत आत्मा को जहां मैं नमन करता हूँ ,वहीं उनके परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूँ । धन्यवाद।

समाप्त ।

30.11.2015/1445/NS/AG/1

अध्यक्षः श्री लज्जा राम, पूर्व विधायक, हि० प्र० विधान सभा के निधन पर जो उल्लेख सदन में प्रस्तुत किए गए हैं, उसमें मैं, भी अपने आप को शामिल करता हूं तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं और इस मान्य सदन की भावनाओं को शोक संतप्त परिवार तक पहुंचा दिया जाएगा।

अब मैं, सभी सदस्यों से निवेदन करूंगा कि वे दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए अपने-अपने स्थान पर कुछ क्षण के लिए मौन खड़े हो जाएं।

(सभी सदस्य दिवंगत आत्मा की शांति के अपने-अपने स्थान पर खड़े हुए।)

30.11.2015/1445/NS/AG/2

अध्यक्षः अब प्रश्न काल आरंभ,तारांकित प्रश्न।

डा० राजीव बिन्दलः अध्यक्ष महोदय, हम सभी विधायकों ने आपको नोटिस दिया है। अत्यन्त गम्भीर मामला है। पहली बार ऐसा हुआ है कि सीटिंग मुख्यमंत्री के ऊपर एफ.आई.आर. दर्ज़ हुई है, ई.डी. के छापे हुए हैं। हिमाचल प्रदेश की प्रतिष्ठा और गरिमा को दाग लगा है।

Speaker: This is not the subject. I won't allow you. आप सिर्फ चर्चा के बारे में बात कीजिए कि यह लगना है कि नहीं लगना है। लेकिन आपने तो चर्चा शुरू कर दी।। disallow this matter. This is not to be recorded.

संसदीय कार्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, प्रश्न काल चल रहा है। अब प्रश्न काल शुरू करवाया जाए। ----(व्यवधान)----

अध्यक्षः आप बैठ जाइए। मैं आपको जबाव दे रहा हूं। मुझे आज दिनांक 30-11-2015 को 12.00 बजे नियम-67 के अर्न्तगत माननीय प्रो० प्रेम कुमार धूमल, डा० राजीव बिन्दल, श्री रणधीर शर्मा, श्री सुरेश भारद्धाज व अन्य सदस्यों द्वारा दिए गए स्थगन प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई जो हिमाचल प्रदेश विधान सभा प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली

के नियम 69 (8) के अर्न्तगत चर्चा हेतु नहीं ली जा सकती क्योंकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। श्री रविन्द्र सिंह रवि, माननीय सदस्य से नियम-67 के अर्न्तगत प्राप्त प्रस्ताव जो कि प्रदेश के विकासात्मक कार्यों से संबधित है की वस्तुस्थिति जानने के लिए सरकार को प्रेषित कर दिए गए हैं जैसे ही सरकार से वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त होगी मैं उस पर अपना विनिश्चय दूंगा। ... (Interruption) ... No discussion on this. I disallow the Motion. (Interruption)

Continued by AS in English . . .

30.11.2015/1450/negi/as/1

माननीय अध्यक्ष महोदय जारी ...

No discussion on this. I disallow the Motion. (Interruption) You cannot raise the questions which are already in the court of law. No, no. Don't discuss the matter? I disallow it. This is not to be recorded.

संसदीय कार्य मंत्री :अध्यक्ष महोदय जो मामले अदालत में लम्बित हैं उनपर यहां पर चर्चा नहीं हो सकती। विधान सभा के नियमों के तहत उन मामलों में यहां चर्चा नही हो सकती और आपने इसको रिजेक्ट किया है । अब प्रश्न काल शुरू करवाया जाए। .....(व्यवधान).... अध्यक्ष महोदय आपने रूलिंग दी है। .....(व्यवधान).... इसपर अध्यक्ष महोदय की रूलिंग आ गई है।.....(व्यवधान).... एक ही मामला है।.....(व्यवधान)....

Speaker: The matter which is in the court of law cannot be discussed here. .....(व्यवधान).... Nothing can be discussed which is in the court of law or *sub judice*. Please sit down. This is wrong. (Interruption) Mr. Ravinder Ravi, I have sent your Resolution to the Government for comments. I cannot admit such a thing which is *sub judice.* (Interruption) Nothing to be recorded.

Parliamentary Affairs Minister: Speaker Sir, the motion shall not deal with any matter which is under adjudication by a Court of Law having jurisdiction in any part of India. जो मामला अदालत में लम्बित है उसपर आपने फैसला लिया है।

अब आप प्रश्न काल शुरू करवाएं। .....(व्यवधान).... अध्यक्ष महोदयप ,ृरश्न काल शुरू करवाया जाए। .....(व्यवधान)....

Speaker: I disallow it. You (Opposition Members) please sit down. You cannot discuss a thing which is in the Court of Law. (Interruption) I have

30.11.2015/1450/negi/as/2

sent your (Shri Ravinder Singh) Resolution to the Government for comments. (Interruption)

संसदीय कार्य मंत्री हमारा आपसे आग्रह है कि प्रश्न काल शुरू ,अध्यक्ष महोदय : ..... करवाया जाए।(व्यवधान).... अध्यक्ष महोदय प्रश्न काल शुरू करवाया जाए। ,

अध्यक्ष :प्रश्न काल आरम्भ।

प्रश्न संख्या :2173.

.....(व्यवधान)....

संसदीय कार्य मंत्री : अध्यक्ष महोदयजो मामला अदालत में है उसपर यहां पर चर्चा , नहीं हो सकती है।

अध्यक्ष: आप बैठ जाइये। I have rejected the Motion. Regarding second part, your Motion has been sent to the Government for comments. .....(व्यवधान).... Nothing can be discussed here. .....(व्यवधान).... You control your Members please. आप अपने मेम्बर्ज़ को बिठा लीजिए। .....(व्यवधान) ....This is wrong. You cannot do anything whichever you like. You have to adhere to the rules also. Don't talk beyond the rules? I will listen to you only when you sit. .....(व्यवधान).... पहले इनको बिठा लीजिएफिर मैं ,

..... सुन लूंगा।(व्यवधान).... अगर आप सारे बोलेंगे तो मैं कैसे पता लगाऊंगा कि आप क्या बोल रहे हैं..... ?(व्यवधान)....

श्री रविन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदयमैंने जो स्थगन प्रस्ताव दिया था उसको आपने यहां , शब्दावली है उसको मैं ज़रा यहां माननीय सदन में ,पर पढ़ा । उसमें मेरा जो वर्डिंग है रखना चाहता हूं। मेरा आपसे निवेदन है कि कृपया आप सुन लें। मैंने दिया

30.11.2015/1450/negi/as/3

था कि "प्रदेश सरकार के मुख्य मंत्री के विरूद्ध दिनांक 21.11.के इण्डियन 2015 समाचार के कारण सरकारी मशीनरी पत्र में प्रकाशित-एक्सप्रैस समाचार के विकासात्मक कार्यों के ठप होने पर सदन इसपर तुरन्त चर्चा करें।" यह है Group of Companies with links to Virbhadra Singh, YSR family corners power project in Karnataka. अध्यक्ष महोदय..... यह बैंगलुरू की खबर है। ,(व्यवधान)....

संसदीय कार्य मंत्री : अध्यक्ष महोदयइसपर आपकी रूलिंग आ गई है । ,

अध्यक्ष: जो आपका प्रस्ताव है मैंने उसपर कमैंट्स देने के लिए गवर्नमैन्ट को भेज दिया है और गवर्नमैन्ट से उसका जवाब आने दो।

श्री रविन्द्र सिंह: यह सारे का सारा केस सी..... ने जांच .आई.बी.(व्यवधान)....

Speaker: Not at all. This is *sub judice.* (Interruption) This is not to be recorded. (Interruption)

Contd. By AS in English . . .

30.11.2015/1455/sls-as/1

Speaker Continued . . .

I don't allow you to say anything which is sub judice. (Interruption)

Question No. 2173 & 2252 - Shri Satpal Singh Satti (Not interested) ….(Interruption)….

Chief Minister: Have you allowed or not allowed?

Speaker: I have not allowed.

30.11.2015/1455/sls-as/2

Question No. 2470

Shri Ravi Thakur: Is it a fact that I have been raising the question of Spiti Rongtong Project since 2013 - fourth session continuously - and approached in person also for its repair and supply of electricity to the Spiti Valley but in spite of repeated assurances several times and spending Crores of Rupees over a part of it for almost one decade out of four turbines, not a single turbine has been made operational by them? People built confidence, support us and vote with full mandate because of our assurance to them. I would like to ask from the Hon'ble Minister by when the operation of the turbine will start?

MPP & Power Minister: During pre commissioning tests Unit developed fault because of excessive vibrations and was required to be carted to workshop. Re commissioning of Rongtong Power House after Winter was scheduled for June, 2015. During testing on Unit IV on dated 14.06.2015, sluice valve of Unit III damaged, which flooded the Power House and resulted in death of three young Engineers (2 from HPSEBL and one from company). I am happy to inform the House that 66 kv tower line from Akpa to Pooh on 22 kv will be commissioned within this week. This will improve the quality and reliability of power in Kaza area.

Concluded

(**Question Hour is over**)

Next item by RG in Hindi . . . .

30/11/2015/1500/RG/AG/1

(विपक्ष के सदस्य अपनेअपने स्थानों पर खड़े होकर नारेबाजी करते रहे-)

साप्ताहिक शासकीय कार्यसूची बारे वक्तव्यः

अध्यक्ष ःअब माननीय मुख्य मंत्री जी इस सदन को इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची के बारे में सदन को अवगत कराएंगे।

मुख्य मंत्री ःअध्यक्ष महोदयमैं आपकी अनुमति से , इस माननीय सदन को इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवाता हूं जो इस प्रकार से है -ः

सोमवार ,30 नवम्बर ,2015	शासकीयविधायी कार्य।/
मंगलवार ,1 दिसम्बर ,2015	शासकीयविधायी कार्य।/
बुधवार ,2 दिसम्बर ,2015	शासकीयविधायी कार्य।/
वीरवार ,3 दिसम्बर ,2015	(1) शासकीय,विधायी कार्य/ (2) गैरसरकारी सदस्य कार्य।-
शुक्रवार ,4 दिसम्बर ,2015	शासकीयविधायी कार्य।/

/-2

30/11/2015/1500/RG/AG/2

<u>स्वीकृत विधेयक सभा पटल पर रखे जाएंगे</u>

अध्यक्ष ःअब सचिवएक प्रति -विधेयकों की एक विधान सभा सदन द्वारा पारित उन , सभा पटल पर रखेंगे जिन पर महामहिम राज्यपाल महोदय की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

सचिव, विधान सभामैं आपकी अनुमति से उन विधेयकों की ,माननीय अध्यक्ष महोदय : एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं-एकजिन्हें सदन द्वारा पारित किए जाने के उपरान्त महामहिम राज्यपाल महोदय की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है -ः

1. हिमाचल प्रदेश प्राइवेट चिकित्सा शैक्षणिक संस्था (प्रवेश का

विनियमन और फीस का नियतन) संशोधन विधेयक 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 24);

2. हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) विधेयक, 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 25);
3. हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान संशोधन विधेयक, 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 26);
4. हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक, 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 27);
5. हिमाचल प्रदेश अधिवक्ताओं के क्लर्कों की कल्याण निधि विधेयक, 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 28);
6. हिमाचल प्रदेश फल पौधशाला रजिस्ट्रीकरण और विनियमन विधेयक, 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 29); और

30/11/2015/1500/RG/AG/3

7. हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलासवस्तुएं कर - संशोधन विधेयक, 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 30) ।

श्री सुरेश भारद्वाज :अध्यक्ष महोदयहम बहुत पहले से , बहुत से महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा मांगतेआ रहे हैंलेकिन , है। हमारी चर्चा को अलॉऊ नहीं किया जा रहा यह आज तक कभी नहीं हुआ होगा कि सदन के नेता और मुख्य मंत्री पर कोई छापा पड़ा हो या एफद.आई.र्ज हुई हो। इसलिए मुख्य मंत्री जी इस पद पर रहने के योग्य नहीं हैं। इसको लेकर हम सदन से बहिर्गमन कर रहे हैं।

अध्यक्ष :मैंने आपको पहले यह कहा था कि anything which is in the Court of Law cannot be discussed .
(विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए।)

/-4

30/11/2015/1500/RG/AG/4

कागज़ात सभा पटल पर रखे जाएंगे

अध्यक्ष :अब कागज़ात सभा पटल पर रखे जाएंगे। अब माननीय सहकारिता मंत्री जी 'हिमाचल प्रदेश कोऑप्रेटिव सोसाइटीज (संशोधन) नियम ,2015 की धारा के 109 अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश कोऑप्रेटिव सोसाइटीज(संशोधन) नियम ,2015 जोकि अधिसूचना संख्या)ए-कोप :3)-1/-भाग 995 दिनांक 5.10.201द्वारा अधिसूचित तथा 5 7 शासकीय राजपत्र में दिनांक.10.201 'शितको प्रका 5की प्रति सभा पटल पर रखेंगे।

सहकारिता मन्त्रीः अध्यक्ष महोदय' मैं आपकी अनुमति से ,हिमाचल प्रदेश कोऑप्रेटिव सोसाइटीज (संशोधन) नियम ,2015 की धारा के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश 109 कोऑप्रेटिव सोसाइटीज(संशोधन) नियम ,2015 जोकि अधिसूचना संख्या-कोप :)ए3)-1/-भाग 995 दिनांक 5.10.201द्वारा अधि 5सूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 7.10.201'को प्रकाशित 5 की प्रति सभा पटल पर रखेंगे ।

/-5

30/11/2015/1500/RG/AG/5

अध्यादेश

अध्यक्ष :अब माननीय मुख्य मंत्री भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 (1) के परन्तुक के अन्तर्गत राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश द्वारा दिनांक 06.11.201को प्रख्यापित 5, हिमाचल प्रदेश आकाशी रज्जु मार्ग अध्यादेश (संशोधन), 201 5(201का अध्यादेश 5 3 संख्यांक) की प्रति उन परिस्थितियों के स्पष्टीकरण के कथन सहित जिनके कारण उक्त अध्यादेश का प्रख्यापन आवश्यक हुआ, (हिन्दी सभा पटल पर (अंग्रेजी पाठ- रखेंगे।

मुख्य मन्त्री : अध्यक्ष महोदय मैं आपकी अनुमति से , भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 (1) के परन्तुक के अन्तर्गत राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, द्वारा दिनांक 06.11.201 5 को प्रख्यापित, हिमाचल प्रदेश आकाशी रज्जु मार्ग अध्यादेश (संशोधन), 201 5(201 5 काअध्यादेश संख्यांक 3) की प्रति उन परिस्थितियों के स्पष्टीकरण के कथन सहित

जिनके कारण उक्त अध्यादेश का प्रख्यापन आवश्यक हुआ, (हिन्दी-अंग्रेजी पाठसभा (पटल पर रखता हूं।

एमशुरू द्वारा अगली मद .एस.

30/11/2015/1505/MS/AG/1

अध्यक्ष जारी---------

नियम के अंतर्गत प्रस्ताव 130

अध्यक्ष :अब नियम के अंतर्गत श्री गोविन्द सिंह ठाकुर प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। 130 अनुपस्थित।

मैं यह बताना ,इससे पहले कि मैं इस मान्य सदन की बैठक को स्थगित करूं चाहता हूं कि परसों तिब्बतीयन गवर्नमैंट इन एग्जाइल के माननीय स्पीकर यहां आए थे। उन्होंने इच्छा जाहिर की थी कि वे मंत्रीगणोंमाननीय सदस्यों व ऑफिसर्ज को , तिब्बतीयन गवर्नमैंट की तरफ से यहां लंच देना चाहते हैं। मैंने इस बारे कन्सल्ट किया र दिसम्बर को निर्धारित किया गया है। तिब्बतीयन था और यह सारा आयोजन चा गवर्नमैंट की तरफ से लंच के लिए अपना मैन्यू दिया जाएगा और यहीं पर लंच होगा। उसमें तिब्बतीयन फूडवह होगा। मेरा निवेदन है ,चाइनीज फूड या जो इण्डियन फूड है/ ने की भी दिसम्बर को सत्र का आखिरी दिन है इसलिए उस दिन सभी को जा 4 कि जल्दी होगी। मेरा सभी से निवेदन रहेगा कि यदि किसी को जान भी है तो लंच करके ही जाइएगा। उनको निराश न करें। मैंने मुख्य मंत्री जी से भी इस बारे में बात की है।

श्रीमती आशा कुमारी: अध्यक्ष महोदय?आपकी तरफ से डिनर कब है ,

अध्यक्ष: सभी के लिए पालमपुर में डिनर रख लेते हैं। इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री भी क्या एग्री करेंगे और डिनर के लिए तीन दिसम्बर को पालमपुर आ जाएंगे?

मुख्य मंत्री: ठीक है।

30/11/2015/1505/MS/AG/2

अध्यक्षः अब इस मान्य सदन की बैठक मंगलवर ,दिसम्बर 12015 के 11.बजे पूर्वाह्न 00 की जाती है। तक स्थगित

सुन्दर सिंह वर्मा,
सचिव।

धर्मशाला-176 215
दिनांक :30 नवम्बर ,2015